

a, No. 813. fig. 84, a, 47. 101, b, 41. 279, a, 5. 341, a, No. 798. Verz. d. B. H. No. 1075. 1227. 1250.

मत्स्यबन्ध (म° + ब°) m. Fischer MBh. 12, 4893. Varāṇ. Bhā. S. 15, 22.

मत्स्यबन्धन (म° + ब°) 1) n. Angel HAL. 4, 79. — 2) f. ई Fischkorb H. 929. HAL. 2, 439.

मत्स्यबन्धिन् (म° + ब°) 1) m. Fischer HAL. 2, 439. PAÑĀT. 247, 8. ed. orn. 41, 9. — 2) f. ०नी Fischkorb HAL. 2, 439, v. 1. für बन्धनी.

मत्स्यमाधव (म° + मा°) n. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 77, b, 16.

मत्स्यारङ्ग (म° + रङ्ग) m. Eisvogel Bṛāh. im ÇKDā. ०रङ्ग m. dass. H. 88.

मत्स्यराज (म° + राज) m. 1) der König der Fische, Cyprinus Rohita TRIK. 1, 2, 16. H. 1346. H. 188. — 2) der Fürst der Matsja MBh. 2, 1106. Spr. 2639.

मत्स्यविद् (म° + विद्) adj. fischkundig ÇĀṆKH. Çr. 16, 2, 24.

मत्स्यवित्रा (म° + वि°) f. eine best. Pflanze, = कटुका ÇKDā. nach dem VAIDJAKA. — Vgl. मत्स्यपिता.

मत्स्यवेधन (म° + वे°) 1) n. Angel AK. 4, 2, 8, 16. H. 929. f. ई dass. ÇABDAR. im ÇKDā. — 2) f. ई Seerabe GĀṬĀDH. im ÇKDā.

मत्स्यसगन्धिन् (म° + स°) adj. Fischgeruch habend MBh. 1, 2396.

मत्स्यसंघात (म° + सं°) m. Fischbrut HAL. 3, 39.

मत्स्यसंतानिक (von म° + संतान) m. ein best. Fischgericht ÇABDĀ. im ÇKDā.

मत्स्यसूक्त (म° + सूक्त) n. Titel einer Schrift Verz. d. Oxf. H. 93, b, 1. 104, a, 11. 279, a, 6. Vgl. u. गोमीन.

मत्स्यहन् (म° + हन्) m. Fischtödt d. i. Fischer ÇAT. Br. 13, 4, 8, 12.

मत्स्यान्तक (von मत्स्य + अन्त Auge) m. eine Soma-Pflanze Suçr. 1, 378, 13. मत्स्यान्तका f. dass. RATNĀKARA in NIGH. Pr. मत्स्यान्ती f. dass. AK. 2, 4, 5, 3. मत्स्यान्ती und मत्स्यान्तिका = गण्डहर्वा RĀĀN. मत्स्यान्ती = क्लिन्नाचिका Hingcha repens Roeb. TRIK. 2, 4, 31. RATNAM. im ÇKDā.

मत्स्याङ्गी f. TRIK. 2, 4, 31 Druckfehler (s. d. Corrigg.) für मत्स्यान्ती.

मत्स्याद् (मत्स्य + 2. घट्) adj. sich von Fischen nährend AK. 3, 4, 29, 221.

मत्स्याद् (मत्स्य + घट्) adj. dass. M. 3, 13—15. PAÑĀT. 50, 14.

मत्स्यादनी (मत्स्य + घट्) f. eine best. Pflanze, = जलपिप्पली RĀĀN. im ÇKDā.

मत्स्याशन (मत्स्य + अश्) m. Eisvogel TRIK. 2, 3, 27.

मत्स्यासुर (मत्स्य + अश्) m. N. pr. eines Asura: शैलवध Verz. d. Oxf. H. 78, b, 45.

मत्स्येन्द्र (मत्स्य + इन्द्र) m. N. pr. eines Lehrers der Hāthavidjā Verz. d. Oxf. H. 233, b, 35. 38. 234, a, 15. 236, a, 4. 236, a, 10. Verz. d. B. H. No. 647. HALL 16. WILSON, Sel. Works I, 214. 218. °नाथ II, 30.

मत्स्येश्वरतीर्थ (मत्स्य - ई° + तीर्थ) n. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 67, a, 38.

मत्स्योदरिन् (von मत्स्य + उदर) m. N. pr. des Bruders der Matsjodari Verz. d. Oxf. H. 80, b, 39.

मत्स्योदरी (wie oben) f. 1) Bein. der Satjavati, die aus dem Bauche der in einen Fisch verwandelten Apsaras Adrikā geschnitten wurde (vgl. u. मत्स्य 6.), H. c. 132 (मत्स्यो). GĀṬĀDH. im ÇKDā. — 2) N. pr. eines heiligen Badeplatzes in Benares: °माहृत्य Verz. d. B. H. No. 404.

मत्स्योदरीय adj. zum Bauch (उदर) eines Fisches (मत्स्य) in Beziehung stehend, oder m. ein Sohn der Matsjodari, Bein. Vjāsa's Spr. 803.

मत्स्योपजीविन् (मत्स्य + उ°) m. Fischer MBh. 12, 4900. R. GORR. 2, 90, 17. — Vgl. मत्स्यजीवत्, मत्स्यजीविन्.

1. मय्, मन्थ्, मैथति (प्रमथते MBh. 7, 1351. प्रमथते 8, 786. निर्मथामहे HARIV. 12169. निर्मथयम् Bhāg. P. 8, 6, 23. निर्मथयम् ed. B.) Duātup. 20, 18 (विलोडने). मैथति 3, 5 (विलोडने; Vop. कुन्थे गाके). 9 (हिसाज्जोशयोः मथति (मथीत med. ved., मथयम् 31, 40 (विलोडने). मथायति ved. (vgl. BṚH. Gr. § 803, VIII); ममन्थ und ममाथ, ममन्थुस् und ममथुस् Vop. 8, 39. 40. ved. मेथुस्, मेथिरे; मन्थिष्यति, मथिष्यति und ०ते: ममन्थोत् ved. ममन्थिष्याम्, मैथोत्: मथ्यात् Vop. 8, 40. मथित्वा und मन्थित्वा P. 1, 2, 33. pass. मथ्यते, मथित; mit Kraft umdrehen, umrühren: 1) अग्निम् Feuer erzeugen durch Reibung eines Holzes im andern (vgl. मन्थन) RV. 1, 71, 4. 127, 7. 148, 1. 3, 23, 2. 29, 1. 5. 6. 5, 11, 6. इमम् त्यमयर्ववदग्निं मन्थसि वेधतः 6, 13, 17. सक्तसा यो मैथितो ज्ञायते नृभिः पृथिव्या अग्निं सान्वि 48, 5. पथिदे: 1, 93, 6. देवेभ्यो मथितं परि 3, 9, 3. गुह्यं सत्तं मातुरिष्या मथायति 1, 141, 3. ÇAT. Br. 2, 1, 4, 8. 9. 3, 1, 19. VS. 3, 2. AIT. Br. 1, 15. पदेनं द्वाभ्यां वाङ्मभ्यां द्वाभ्यामरणीभ्यां मन्थति 3, 4, 40. शमीगर्भाद्ग्नौ मन्थति TBh. 1, 1, 9, 1. KAC. 16, 70. KĀTJ. Çr. 12, 2, 4. LĪTJ. 4, 9, 16. 10, 1. अथ्यत्वादर्णो क्वा मथित्वाग्निं यथाविधि HARIV. 1408. मथिताग्निम्, so die neuere Ausg.) ebend. यस्य स्वद्वयं कवयो विपश्चिता गुणेषु दाहयिष्व ज्ञातवेदसम्। मथति मथा Bhāg. P. 5, 18, 36. 7, 1, 9. reiben (das Reibholz): विधिना मन्थुक्तेन ब्रूतापि मथितापि च। प्रपच्छति फलं भूमिरणीव कुतश्चनम् || Spr. 2812. वाङ्मुक्तम् — म मथति कृद्यमागिकाम इवारणम् MBh. 1, 3380. मथ्यमानेव (so die ed. Bomb. und BRĀHMAN. 1. 3) दुःखेन कृद्येन 6113. मा मथतीव मन्मथः 6355. मथतीव (so die ed. Bomb.) मनसि नः Bhāg. P. 8, 9, 3. wie durch Reiben von Holzern Feuer. so wird durch Reiben des Schenkels oder der Hand Nachkommenschaft erzeugt: ततो ऽस्य सव्यमूर्ह ते ममन्थुः — तस्मिन्सु मथ्यमाने वै राज उरौ विजज्ञिवान्। कृत्वा ऽतिमात्रः पुरुषः HARIV. 307. fig. VP. 1, 13, 18 bei Muir, ST. 1, 63. Bhāg. P. 4, 14, 43. देहं ममन्थुः स्म निने: कुमारः समजायत 9, 13, 12. प्रजार्थमृषयो ऽथास्य ममन्थुर्दत्तिर्णां काम् HARIV. 73. Bhāg. P. 4, 13, 19. 13, 1. — 2) quirlen, rühren (Milch zu Butter): दुग्धं मैथितमायं भवति TS. 2, 2, 40, 2. ÇAT. Br. 5, 3, 2, 6. KĀTJ. Çr. 5, 8, 18. दध्न्ः मथ्यमानस्य KĀND. Up. 6, 6, 1. न मथ्येरंश् गर्गराः (die Gefässe, in denen die Milch gerührt wird) MBh. 12, 2537. 2783. न गर्गरो मथयति 13204. HARIV. 3936. मथ्यतां कलशोदधिः। भविष्यत्यमृतं तत्र मथ्यमाने महेदधौ MBh. 1, 1110. मथ्यमुदधिम् 1111. देवा मथितुमर्वाः समुद्रम् 1124. समुद्रस्येव मथ्यतः 8223. HARIV. 12170. R. 1, 43, 19. 6, 16, 52. RAGU. 16, 79. KĀM. NITIS. 17, 18. KATHĀS. 19, 105. 22, 186. ममथुः 46, 220. 222. Spr. 3160. Bhāg. P. 8, 7, 16. जलधर्ममन्थे pass. BHATT. 2, 221, 3. 6. — 3) schütteln so v. a. zerzausen, hart mitnehmen, aufreiben, klein machen: अग्निं वृक् इव मथीत AV. 5, 8, 1. निवातकवचा मथ्यमाना मया युधि Ar. 9, 3. ममन्थ च मक्ताक्रायान्वानरात्रान्नासाधिपः। युगात्तवातः सक्तसा प्रवृद्धः तितितानिव || R. 6, 76, 2. HARIV. 11491. स्वल्पाः प्रजा मथ्यतः सक्तसा प्रवृद्धः तितितानिव || R. 6, 76, 2. HARIV. 11491. स्वल्पाः प्रजा मथ्यतः Spr. 726. व्याधिभिर्मथ्यमानानाम् 3044. रक्तो ऽपि सिक्तः साक्षं गृथं मथति